अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 115 | श्री विजय पुरम, सोमवार, 28 अप्रैल 2025 | web: www. and.nic.in | 2.00 रूपए

'मन की बात' में बोले प्रधानमंत्री

पहलगाम आतंकी हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोरतम जवाब दिया जाएगा

नई दिल्ली, 27 अप्रैल।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जोर देकर कहा है कि पहलगाम आतंकी हमले के दोषियों और इसकी साजिश रचने वालों को कठोरतम जवाब दिया जाएगा। आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम में देश को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने इस महीने की 22 तारीख को पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर दुख व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि यह हमला आतंकवाद के आकाओं की हताशा और कायरता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कश्मीर में शांति का लौटना, लोकतंत्र का मजबूत होना और पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि भारत और जम्मू–कश्मीर के दुश्मनों को रास नहीं आ रही थी। श्री मोदी ने कहा कि आतंकवादियों और आतंक के आकाओं ने कश्मीर को फिर से तबाह करने के लिए यह साजिश रची।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में सबसे बड़ी ताकत देश की एकता और 140 करोड़ भारतीयों की एकजुटता है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ यह एकता ही निर्णायक लड़ाई का आधार है। श्री मोदी ने इस चुनौती का सामना करने के लिए संकल्प को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि एक राष्ट्र के रूप में हमें दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करना होगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आंतकी हमले के बाद पूरी दुनिया से संवेदनाएं आ रही हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक नेताओं में उन्हें फोन कर और पत्र लिखकर इस जघन्य आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। श्री मोदी ने कहा कि आंतकवाद के खिलाफ देश की लड़ाई में पूरा विश्व 140 करोड़ भारतीयों के साथ खड़ा है। उन्होंने पीड़ित परिवारों को भरोसा दिलाया कि उन्हें न्याय मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने डॉ. के कस्तूरीरंगन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश ने एक महान वैज्ञानिक खो दिया है। दो दिन पहले डॉ. कस्तूरीरंगन का निधन हो गया था। श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि विज्ञान, शिक्षा और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाने में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि डॉ. कस्तूरीरंगन के नेतृत्व में इसरो को एक नई पहचान मिली और उनके मार्गदर्शन में जो अंतरिक्ष कार्यक्रम आगे बढ़े उनसे भारत के प्रयासों को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिली। भारत आज जिन उग्रहों का इस्तेमाल करता है उनका प्रक्षेपण डॉ. कस्तूरीरंगन की देख–रेख में ही किया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. कस्तूरीरंगन ने हमेशा ही नवाचार को महत्व दिया। उन्होंने देश की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति तैयार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

श्री मोदी ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि इस वर्ष अप्रैल में आर्यभट्ट उपग्रह के प्रक्षेपण के 50 वर्ष पूरे हो गए हैं। उन्होंने कहा कि 50 वर्ष की यह यात्रा सिर्फ हौसलों से शुरू हुई थी। श्री मोदी ने कहा कि उस समय के युवा वैज्ञानिकों के पास न तो आधुनिक संसाधन थे और न ही दुनिया की प्रौद्योगिकी तक

पहुंच थी।

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक, महत्वपूर्ण उपकरणों को बैलगाड़ियों और साइकिलों पर लेकर जाते थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि उसी लगन और राष्ट्र सेवा की भावना का परिणाम है कि भारत, आज विश्व की एक प्रमुख अंतरिक्ष शक्ति बन चुका है। उन्होंने इस बात पर गौरव व्यक्त किया कि भारत ने एक साथ 104 उपग्रहों का प्रक्षेपण करने का रिकॉर्ड बनाया है।

श्री मोदी ने कहा कि चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला भारत पहला देश है। उन्होंने कहा कि भारत ने मार्स ऑर्बिटर मिशन शुरू किया है और आदित्य एल–वन मिशन के जरिए हम सूर्य के काफी करीब पहुंच गए हैं। आज भारत संपूर्ण विश्व में सबसे किफायती और सफल अंतरिक्ष कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कहा कि विश्व के बहुत से देश अपने उपग्रहों और अंतरिक्ष मिशनों के लिए इसरो की सहायता लेते हैं। उन्होंने बताया कि पी.एस.एल.वी–सी 23 का प्रक्षेपण देखकर उन्हें गौरव की अनुभूति हुई थी। वर्ष–2019 में चन्द्रयान–2 की लैंडिंग के दौरान भी प्रधानमंत्री बैंगलुरू में इसरो केन्द्र में उपस्थित थे।

श्री मोदी ने कहा कि हालांकि चन्द्रयान का अपेक्षित परिणाम नहीं निकला लेकिन उन्होंने वैज्ञानिकों के धैर्य और कुछ कर गुजरने के जुनून को देखा। उन्होंने कहा कि संपूर्ण विश्व ने देखा कि कैसे उन्हीं वैज्ञानिकों ने चन्द्रयान–3 को सफल करके दिखाया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने निजी क्षेत्र के लिए भी अंतरक्षि क्षेत्र के दरवाजे खोल दिए हैं। आज बहुत से युवा स्पेस स्टार्ट–अप्स के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि दस वर्ष पहले इस क्षेत्र में केवल एक कंपनी थी और आज देश में सवा तीन सौ से अधिक स्पेस स्टार्ट–अप्स चल रहे हैं।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत नई ऊंचाईओं को छुएगा। देश गगनयान, स्पेडैक्स और चन्द्रयान–4 जैसे कई महत्वपूर्ण मिशनों की तैयारियों में जुटा है। श्री मोदी ने जानकारी दी कि भारत वीनस ऑर्बिटर मिशन और मार्स लैंडर मिशन पर भी काम कर रहा है।

पिछले महीने म्यांया में आए भूकंप का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत ने राहत और बचाव कार्यों के लिए तत्काल ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया था। उन्होंने बताया कि वायु सेना के विमानों और नौसेना के पोतों के जरिए पड़ोसी देश को हर प्रकार की सहायता भेजी गई। भारतीय दल ने वहां एक फील्ड अस्पताल बनाया और इंजीनियरों के दल ने महत्वपूर्ण इमारतों और बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान का आकलन करने में मदद की। भारतीय दल ने वहां कंबल, टैंट, दवाएं और खाने–पीने का सामान आदि भेजा।

प्रधानमंत्री ने बताया कि इस संकट में साहस, धैर्य और सूझबूझ के कई दिल छू लेने वाले उदाहरण भी सामने आए। भारतीय दल ने 70 वर्ष से अधिक आयु की एक बुजुर्ग महिला को बचाया जो 18 घंटे से अधिक समय तक मलबे के नीचे दबी हुई थी।

भारतीय दल ने हरसंभव चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जिसमें ऑक्सीजन स्तर को सामान्य करने से लेकर फ्रैक्चर का इलाज करना तक शामिल था। श्री मोदी ने कहा कि पीड़िता ने भारतीय बचाव दल के प्रति आभार प्रकट करते हुए माना कि भारतीय दल के कारण उन्हें एक नया जीवन मिला है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि बौद्ध मठ में फंसे लोगों को बचाने के बाद भारतीय बचाव दल को बौद्ध भिक्षुओं ने अनंत शुभकामनाएं दीं। श्री मोदी ने कहा कि ऑपरेशन ब्रह्मा में शामिल सभी लोगों के प्रति पूरे देश में गर्व की भावना है। उन्होंने यह भी कहा कि आपदा के समय विश्व–मित्र के रूप में उभरने और मानवता की रक्षा के प्रति भारत की संकल्प अब देश की पहचान बन रहा है।

प्रधानमंत्री ने अफ्रीकी देश इथोपिया में प्रवासी भारतीयों के अभिनव प्रयासों की भी चर्चा की। इन भारतीयों ने जन्म से ही हृदय रोग से जूझ रहे बच्चों को इलाज के लिए भारत भेजा। भारतीय परिवार इनमें से कई बच्चों की आर्थिक रूप से भी मदद कर रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि प्रवासी भारतीयों के इस नेक काम की इथोपिया में काफी प्रशंसा हो रही है। उन्होंने कहा कि भारत में इलाज की सुविधाएं लगातार बेहतर हो रही हैं और इससे अन्य देशों के नागरिक भी लाभान्वित हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ ही दिन पहले भारत ने अफगानिस्तान को बड़ी मात्रा में रैबीज, टिटनेस, हेपिटाइटिस–बी और इंलुएंजा जैसी घातक बीमारियों से बचाव के लिए टीके भेजे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस सप्ताह भारत ने नेपाल के अनुरोध पर बड़ी मात्रा में दवाएं और टीके भेजे हैं। इससे थेलेसिमिया और सिकलसेल एनिमिया के बेहतर इलाज में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी प्रा.तिक आपदा से निपटने में जागरूकता सबसे अहम होती है। उन्होंने कहा कि अब बाढ़, चक्रवात, भू–स्खलन, सुनामी, जंगल की आग और हिम–स्खलन जैसी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में लोग अपने मोबाइल पर सचेत ऐप की मदद से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस ऐप को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने विकसित किया है जिसमें क्षेत्रीय भाषाओं में भी सूचना उपलब्ध है।

प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा के विज्ञान केंद्र की चर्चा की जो पहले हिंसा और अशांति के कारण चर्चा में रहता था लेकिन अब यहां का विज्ञान केंद्र सबका ध्यान खींच रहा है और बच्चों तथा उनके माता–पिता के लिए उम्मीद की नई किरण बन

शेष पृष्ठ 4 पर

गर्ल्स स्कूल के पास पहले शतरंज कॉर्नर का उद्घाटन

श्री विजय पुरम, 27 अप्रैल।

युवाओं और व्यापक समुदाय के बीच शतरंज को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, आज श्री विजय पुरम में राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के पास मोबाइल लाइब्रेरी के साथ एक शतरंज कॉर्नर का उद्घाटन किया गया। अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के शिक्षा विभाग और अण्डमान निकोबार शतरंज संघ के बीच सहयोग से शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य सुलभ और समावेशी स्थान बनाना है, जहाँ सभी उम्र के लोग आराम करने और दूसरों से जुड़ने के लिए शतरंज सीख और खेल सकते हैं। शतरंज कॉर्नर का उद्देश्य सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देना, सीखने और मनोरंजन की संस्कृति को बढ़ावा देना और शतरंज जैसे मानसिक खेलों को रोज़मर्रा के सार्वजनिक जीवन में एकीकृत करना है।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के शिक्षा निदेशक श्री विक्रम सिंह ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और औपचारिक रूप से शतरंज की बिसात पर पहला कदम रखा, जो द्वीप समूह में अपनी तरह का पहला शतरंज कॉर्नर है। इस कार्यक्रम में शतरंज के शौकीनों, बच्चों,

अभिभावकों और आम जनता ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिन्होंने शतरंज को सभी के लिए सुलभ बनाने की पहल की सराहना की।

इस अवसर पर बोलते हुए, शिक्षा निदेशक ने युवा मस्तिष्क में आलोचनात्मक सोच और निर्णय लेने के कौशल को विकसित करने में शतरंज जैसे मानसिक खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को न केवल किताबें पढ़ने के लिए बल्कि शतरंज खेलने के लिए भी प्रोत्साहित करने का आग्रह किया, ताकि जीवन में असाधारण सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक ध्यान और अनुशासन को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने यह भी घोषणा की कि निकट भविष्य में द्वीपों में ऐसे और अधिक शतरंज कॉर्नर स्थापित किए जाएंगे।

शिक्षा विभाग की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि शतरंज कॉर्नर राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रवेश द्वार के पास मोबाइल लाइब्रेरी के साथ शाम 4 बजे से 7 बजे तक चालू रहेगा।

'सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार–2026': आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर है

श्री विजय पुरम, 27 अप्रैल

भारत सरकार ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में व्यक्तियों और संस्थाओं द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता देने के लिए 'सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार–2026' नामक वार्षिक राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना की है। आपदा प्रबंधन निदेशालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि वर्ष 2026 के लिए पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। वर्ष 2026 के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के लिए आवेदन करने के लिए **https://awards.gov.in** वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन भरा जा सकता है। यह लिंक अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन **(https://andaman.gov.in)** और आपदा प्रबंधन निदेशालय **(https://ddm.andaman.gov.in)** की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आवेदन भरने की अंतिम तिथि 30 सितंबर, 2025 है।

बिजली उपभोक्ताओं से बिजली का विवेकपूर्ण उपयोग करने और बिजली की बर्बादी को रोकने की अपील

श्री विजय पुरम, 27 अप्रैल

आम जनता के ध्यान में लाया जाता है कि आगामी गर्मियों के मौसम और परिवेश के तापमान में वृद्धि के कारण श्री विजय पुरम और दक्षिण अंडमान के आस–पास के इलाकों में विशेष रूप से शाम 5.30 बजे से रात 10.30 बजे तक बिजली की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। परिणामस्वरूप इन घंटों के दौरान बिजली की आपूर्ति में अस्थायी कमी होती है। विद्युत विभाग के सभी उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे विशेष रूप से शाम के व्यस्त घंटों के दौरान बिजली की कमी को देखते हुए ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग करें। इसके अलावा, शाम के व्यस्त समय में शाम 5.30 बजे से रात 10.30 बजे तक एसी, मोटर, ओटीजी, ग्रीसर, गार्डन लाइटिंग इत्यादि जैसे बिजली की खपत करने वाले प्रमुख उपकरणों के उपयोग से कृपया बचें और जब उपयोग में न हों तो अनावश्यक बिजली के उपकरणों को बंद कर दें। इससे विभाग को श्री विजय पुरम और दक्षिण अण्डमान के आस–पास के क्षेत्रों में बिना कटौती के बिजली आपूर्ति बनाए रखने में मदद मिलेगी। विद्युत विभाग की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि विद्युत विभाग प्रभावी अनुपालन के लिए स्थिति की निगरानी करने के लिए प्रतिबद्ध है और प्रभावी मांग प्रबंधन उपायों का पालन सुनिश्चित करने के लिए जाँच कर सकता है।

ऊर्जा के प्रयोग पे निर्भर है सारा संसार, इसे खत्म जो किया तो जग में होगी हाहाकार।

पहलगाम आतंकी हमले के दोषियों और साजिश

पृष्ठ 1 का शेष

गया है। उन्होंने कहा कि अब इस इलाके के बच्चे थ्री डी प्रिंटर, रोबोटिक कार और अन्य चीजों के बारे में जानने का मौका मिला है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ समय पहले ही उन्होंने गुजरात साइंस सिटी में विज्ञान दीर्घा का उद्घाटन किया था। इस दीर्घा से यह झलक मिलती है कि आधुनिक विज्ञान की क्षमता क्या है और विज्ञान हमारे लिए कितना कुछ कर सकता है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि बच्चों में इस दीर्घा को लेकर बहुत उत्साह है। श्री मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि विज्ञान और नवाचार के प्रति बढ़ता आकर्षण भारत को नई ऊचाई पर ले जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मॉ के नाम अभियान का एक वर्ष पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस एक वर्ष के दौरान देशभर में मां के नाम पर 140 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त कि की देश के बाहर भी लोगों ने अपनी मॉ के नाम पर पौधे लगाए हैं। श्री मोदी ने देशवासियों से अपील की कि वे भी इस अभियान का हिस्स बनें ताकि एक वर्ष पूरा होने पर अपनी भागीदारी पर गर्व कर सकें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पेड़ से शीतलता मिलती है और पिछले कुछ वर्षों में गुजरात के अहमदाबाद में 70 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। इसके कारण अहमदाबाद का हरित क्षेत्र काफी बड़ा हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस इलाके में साबरमती नदी रिवर फ्रंट तथा कांकरिया झील जैसे कुछ झीलों के पुनर्निर्माण से जलाशयों की संख्या भी काफी बढ़ गई है।

श्री मोदी ने कहा कि अहमदाबाद पिछले कुछ वर्षों में ग्लोबल वार्मिंग का मुकाबला करने वाले कुछ प्रमुख शहरों में शामिल हो गया है। उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे अपने बच्चों का भविष्य सुरक्षित करने के लिए पेड़ जरूर लगाएं।

प्रधानमंत्री ने कर्नाटक में सेब उगाए जाने पर आश्चर्य व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बागलकोट में श्री शैल तेली ने मैदानी इलाकों में 35 डिग्री से अधिक तापमान के बावजूद सेब की पैदावार में सफलता प्राप्त की है। इससे उन्हें अच्छी कमाई भी हो रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में केसर का उत्पादन शुरू हो गया है जो अब तक केवल सेब के लिए प्रसिद्ध था। उन्होंने केरल के वायनाड का उदाहरण भी दिया जहां केसर के उत्पादन में सफलता मिली है। श्री मोदी ने कहा कि वायनाड में केसर का उत्पादन खेत या मिट्टी में नहीं, बल्कि एयरोपोनिक्स तकनीक से हो रहा है। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत और राजस्थान में अब लीची भी पैदा की जा रही है।

तमिलनाडु के श्री तिरू वीरा अरासू कॉफी की खेती करते थे। उन्होंने कोडईकनाल में लीची के पौधे लगाए और सात वर्ष बाद इनमें फल आना शुरू हो गया है। श्री मोदी ने कहा कि लीची उत्पादन में मिली सफलता ने इस इलाके के अन्य किसानों को भी प्रेरित किया है। राजस्थान के श्री जितेन्द्र सिंह राणावत भी अब लीची उगा रहे हैं। श्री मोदी ने इन सभी उदाहरणो को प्रेरणादायी बताया।

प्रधानमंत्री ने 1917 में महात्मा गांधी के नेतृत्व में हुए चंपारण सत्याग्रह की चर्चा की। उन्होंने कहा कि 108 वर्ष पहले अप्रैल और मई के महीनों में देश की आजादी की एक अनोखी लड़ाई लड़ी जा रही थी। अंग्रेजी हूकुमत किसानों को बिहार में नील की खेती के लिए बाध्य कर रही थी।

श्री मोदी ने कहा कि चंपारण सत्याग्रह भारत में बापू का पहला बड़ा प्रयोग था और इससे पूरी अंग्रेजी हुकूमत हिल गई। इसके कारण अंग्रेजों को नील की खेती के लिए किसानों को मजबूर करने वाले कानून को स्थगित करना पड़ा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस सत्याग्रह में बिहार की महान विभूति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने काफी योगदान दिया था और वे आजादी के बाद देश के पहले राष्ट्रपति बने थे। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने सत्याग्रह इन चंपारण नामक एक पुस्तक भी लिखी थी जो हर युवा को पढ़नी चाहिए।

श्री मोदी ने यह भी कहा कि अप्रैल महीने के साथ स्वतंत्रता संग्राम के कई अमिट अध्याय जुड़े हैं। गांधी जी की दांडी यात्रा 6 अप्रैल को संपन्न हुई थी। 24 दिन तक चली इस यात्रा ने अंग्रेज सरकार को झकझोर कर रख दिया था। जलियावाला बाग नरसंहार भी अप्रैल के महीने में ही हुआ था। प्रधानमंत्री ने कहा कि 10 मई को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की वर्षगांठ मनाई जाएगी। 26 अप्रैल को 1857 की क्रांति के महान नायक बाबू वीर कुंवर सिंह की पुण्यतिथि भी मनाई गई है। श्री मोदी ने कहा कि देश को अपने इन स्वतंत्रता सेनानियों की अमर प्रेरणाओं को जीवित रखना है।

पोर्ट लुइस, मॉरीशस में आईओएस सागर

नई दिल्ली, 27 अप्रैल। आईओएस सागर 26 अप्रैल 2025 को मॉरीशस के पोर्ट लुइस हार्बर पहुंचा, जहां दक्षिण पश्चिमी हिंद महासागर में तैनाती के अंतर्गत नेशनल कोस्ट गार्ड (एनसीजी) मॉरीशस के साथ संयुक्त ईईजेड निगरानी का पहला चरण पूर्ण हुआ। यह यात्रा मित्र देशों के साथ क्षेत्रीय समुद्री सहयोग और क्षमता निर्माण के लिए भारत की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

05 अप्रैल 2025 को कारवार से रवाना हुए भारतीय नौसेना के जहाज सुनयना (आईओएस सागर) में हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) के नौ मित्र देशों के 44 नौसैनिक हैं, जिनमें मॉरीशस गणराज्य के दो अधिकारी और छह नौकाचालक शामिल हैं।

यह पहल सामूहिक विकास और सहयोग की भावना से अंतर–संचालन, पारस्परिक सीख और क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा को बढ़ाने के लिए भारतीय नौसेना के निरंतर प्रयासों पर बल देती है।

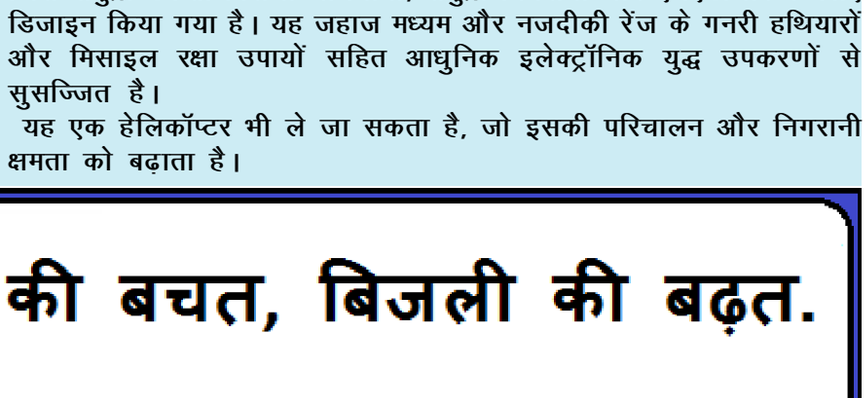

जहाज और उसके चालक दल का सौहार्द और उत्साह के साथ स्वागत किया गया, जो भारत और मॉरीशस के बीच घनिष्ठ और समय–परीक्षित संबंधों को दर्शाता है। स्वागत समारोह में श्री सोरूजबाली आर, पीएमएसएम, पुलिस आयुक्त और प्रधानमंत्री कार्यालय, मॉरीशस पुलिस बल, भारतीय उच्चायोग और एनसीजी मॉरीशस के कई उच्च पदस्थ गणमान्य व्यक्ति शामिल थे। स्वागत समारोह के समापन पर, गणमान्य व्यक्तियों को जहाज का दौरा भी कराया गया, जिसके बाद मित्र देशों से आए कर्मियों के साथ बातचीत की गई।

पोर्ट कॉल के दौरान, आईओएस सागर के कमांडिंग ऑफिसर, राष्ट्रीय तटरक्षक बल के कमांडेंट, पुलिस आयुक्त और भारत के उच्चायुक्त से मुलाकात करेंगे। दो दिवसीय पोर्ट कॉल के दौरान विभिन्न गतिविधियों की योजना बनाई गई है, जिसमें आईओएस सागर चालक दल द्वारा समुद्री वायु स्क्वाड्रन, विशेष मोबाइल बल स्क्वाड्रन और पुलिस हेलिकॉप्टर स्क्वाड्रन का दौरा शामिल है। पुलिस आयुक्त पुलिस मुख्यालय में आईओएस सागर के बहुराष्ट्रीय चालक दल के साथ भी बातचीत करेंगे। जहाज 27 अप्रैल 2025 को आगंतुकों के लिए खुला रहेगा। पोर्ट लुइस में जहाज के ठहरने के दौरान ट्रेकिंग, संयुक्त योग सत्र और मैत्रीपूर्ण खेल आयोजन जैसी गतिविधियों की भी योजना बनाई गई है।

प्रस्थान के समय, जहाज एनसीजी मॉरीशस के साथ संयुक्त ईईजेड निगरानी के चरण II का कार्य करेगा तथा पूरा होने पर पोर्ट विक्टोरिया, सेशेल्स के लिए रवाना होगा। आईएनएस सुनयना, एक अत्याधुनिक सरयू श्रेणी का एनओपीवी है, जिसे समुद्री डकैती विरोधी अभियानों, समुद्री निगरानी और एचएडीआर के लिए डिजाइन किया गया है। यह जहाज मध्यम और नजदीकी रेंज के गनरी हथियारों और मिसाइल रक्षा उपायों सहित आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरणों से सुसज्जित है। यह एक हेलिकॉप्टर भी ले जा सकता है, जो इसकी परिचालन और निगरानी क्षमता को बढ़ाता है।

द्वीप प्रशासन का 'फिल्म महोत्सव' आयोजित करने का प्रस्ताव

उत्साही फिल्म निर्माता और रचनात्मक कहानीकार आमंत्रित

श्री विजय पुरम 27 अप्रैल। अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के कला एवं संस्कृति विभाग ने मई/जून, 2025 के महीने में 'फिल्म महोत्सव' आयोजित करने का प्रस्ताव रखा है। इस संबंध में विभाग सिनेमा के क्षेत्र में अपने काम को प्रदर्शित करने के लिए उत्साही फिल्म निर्माताओं और रचनात्मक कहानीकारों को आमंत्रित करता है। महोत्सव में विभिन्न विधाओं की फिल्मों का चयन किया जाएगा, जो स्थानीय दर्शकों को एक समृद्ध सिनेमाई अनुभव प्रदान करेगा और रचनाकारों को अपने काम को व्यापक दर्शकों के सामने पेश करने का अवसर देगा।

कला एवं संस्कृति निदेशक से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन द्वीपों और बाहर के इच्छुक फिल्म निर्माता, संगठन और वितरक लघु फिल्मों, वृत्तचित्रों या फीचर फिल्मों की स्क्रीनिंग में आगे आ सकते हैं। इस फिल्म महोत्सव के दौरान बिना किसी शुल्क के अच्छी फिल्मों की स्क्रीनिंग में रुचि रखने वाले व्यक्ति या एजेंसियों को निदेशक (कला एवं संस्कृति) को अपनी प्रविष्टियाँ प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। उनसे अनुरोध किया गया है कि वे अपनी फिल्मों या जिज्ञासाओं (यदि कोई हो) का विवरण **artand.culture@and.nic.in** पर ईमेल करें या श्री सुजीत कुमार रॉय से फ़ोन नंबर 9933241678/9531898393 पर संपर्क करें। प्रविष्टियाँ जमा करने की अंतिम तिथि 2 मई, 2025 होगी।

वन स्टॉप सेंटर योजना–संकट के दौरान हिंसा से प्रभावित महिलाओं को एकीकृत सहायता और सहयोग प्रदान करना

श्री विजय पुरम, 27 अप्रैल। भारत सरकार की मिशन शक्ति योजना के तहत केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन वन स्टॉप सेंटर योजना को लागू कर रहा है, जो निजी और सार्वजनिक दोनों जगहों पर संकट के दौरान हिंसा से प्रभावित महिलाओं को एकीकृत सहायता और सहयोग प्रदान करता है। वन स्टॉप सेंटर एक ही छत के नीचे कार्य कर रहे हैं, ताकि महिलाओं के खिलाफ किसी भी तरह की हिंसा से लड़ने के लिए चिकित्सा, कानूनी, न्यूनतम 5 दिनों का अस्थायी आश्रय, पुलिस सहायता, मनोवैज्ञानिक और परामर्श सहायता सहित कई तरह की सेवाओं तक तत्काल, आपातकालीन, गैर–आपातकालीन सेवाओं तक पहुंच की सुविधा मिल सके।

वर्तमान में, दक्षिण अण्डमान के आयुष अस्पताल के पास जंगलीघाट में, उत्तर व मध्य अण्डमान में मायाबंदर में क्षेत्रीय पुस्तकालय भवन में और निकोबार में परका मुख्यालय में 3 वन स्टॉप सेंटर (ओएससी) कार्यरत हैं। संकटग्रस्त महिलाएं दक्षिण अण्डमान के वन स्टॉप सेंटर से फोन 03192–234221 पर संपर्क कर सकती हैं। उत्तर व मध्य अण्डमान के वन स्टॉप सेंटर के लिए कोई व्यक्ति 03192–273009 और निकोबार के वन स्टॉप सेंटर के लिए 03193–265141 पर स्वयं जाकर/आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं/रिश्तेदारों, दोस्तों और लोक सेवकों के माध्यम से संपर्क कर सकता है। वन स्टॉप सेंटरों की स्थापना के बाद से इन केंद्रों में विभिन्न मामलों को संभाला गया है।

इसी तरह, वीआईपी रोड पर समाज कल्याण निदेशालय के तहत महिला और बाल नियंत्रण कक्ष कार्य कर रहा है, जिसमें समर्पित हेल्पलाइन (महिला हेल्पलाइन–181 और चाइल्ड हेल्पलाइन–1098) संकट या हिंसा का सामना करने वाली महिलाओं और बच्चों के लिए सप्ताह में चौबीस घंटे आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र के रूप में कार्य करती हैं। महिला हेल्पलाइन–181 और चाइल्ड हेल्पलाइन–1098 खतरे में महिलाओं और बच्चों से आने वाली कॉलों को संभालती हैं, जिनमें हिंसा का सामना करने वाले बच्चे भी शामिल हैं, जिन्हें तत्काल मदद की जरूरत है। हेल्पलाइन व्यक्तियों को पुलिस, वन स्टॉप सेंटर, अस्पताल, जिला विधि सेवा प्राधिकरण और अन्य सहायता सेवाओं जैसे प्रासंगिक संसाधनों से जोड़ती हैं। इसके अलावा हेल्पलाइन महिला कल्याण और बाल संरक्षण के लिए भारत सरकार की उपलब्ध योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्रदान करती हैं।

समाज कल्याण निदेशालय की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कोई भी महिला/बच्चे संकट के समय इन हेल्पलाइन (महिला हेल्पलाइन–181 और चाइल्ड हेल्पलाइन–1098) पर कॉल कर सकते हैं, ताकि सेवाओं का लाभ उठा सकें।

इसके अलावा, महिलाएं अपनी शिकायतों के निवारण और परिवार के भीतर छोटी–मोटी समस्याओं के सौहार्दपूर्ण समाधान तथा शहरी, ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित अन्य मुद्दों के लिए संबंधित जिला वन स्टॉप सेंटर से संपर्क कर सकती हैं।

नशीले पदार्थों की रिपोर्ट करें, सहायता प्राप्त करें: अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह में नागरिकों को सशक्त बना रही है मानस हेल्पलाइन

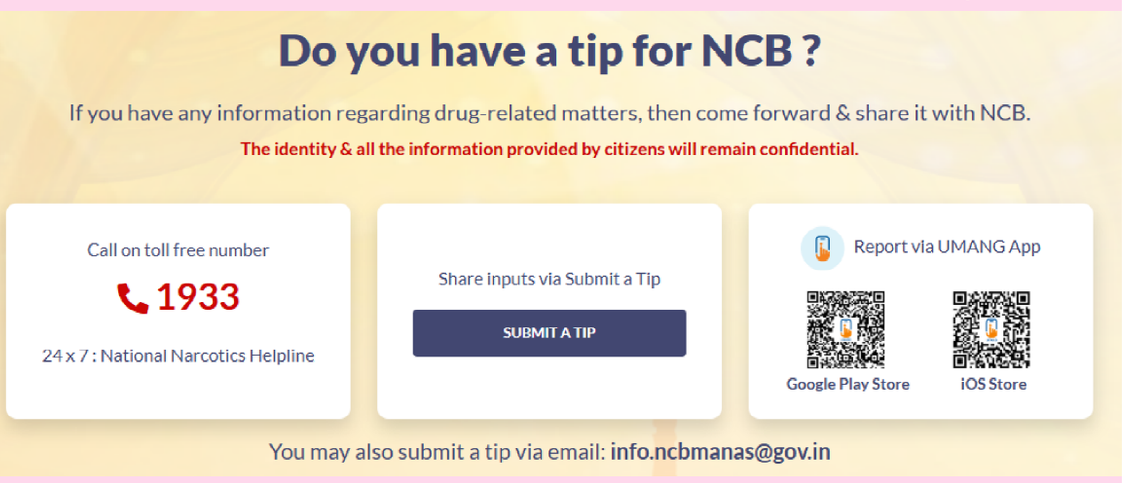

श्री विजय पुरम, 27 अप्रैल। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और बढ़ते नशा सेवन के खतरे से निपटने के लिए भारत सरकार के अधीन नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मानस (मादक पदार्थ निषेध सूचना केंद्र) पोर्टल के तहत दो समर्पित हेल्पलाइन शुरू की हैं। यह पहल नागरिकों को 24ग7 एक उपयोगकर्ता–मित्रवत प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करती है, जिसके माध्यम से वे मादक पदार्थों से संबंधित मामलों की रिपोर्ट कर सकते हैं।

ये हेल्पलाइन दो अलग–अलग लेकिन महत्वपूर्ण उद्देश्यों की पूर्ति करती हैं:

♦मानसिक स्वास्थ्य सहायता–हेल्पलाइन नंबर–14416 या 1–800–891–4416

♦नशीले पदार्थ नियंत्रण–हेल्पलाइन नंबर–1933

यह प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं को नशे की तस्करी, विक्रय आदि की रिपोर्ट करने, या नशा मुक्ति एवं इससे जुड़ी समस्याओं के लिए सहायता प्राप्त करने की सुविधा देता है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, नई दिल्ली द्वारा विकसित यह वेब आधारित एप्लिकेशन आम जनता और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सेतु का कार्य करता है। इसे **https://ncbmanas.gov.in** पर एक्सेस किया जा सकता है।

सीआईडी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में अण्डमान तथा निकोबार पुलिस नागरिकों से आग्रह करती है कि इन सेवाओं का ज़िम्मेदारी से उपयोग करें – चाहे मानसिक स्वास्थ्य के लिए सहायता प्राप्त करनी हो या नशीली गतिविधियों की जानकारी साझा करनी हो – ताकि हम अपने समुदायों को सुरक्षित बनाए रख सकें और एक नशा–मुक्त, मानसिक रूप से स्वस्थ भारत की दिशा में आगे बढ़ सकें। समग्र भारत में ड्रग्स के विरुद्ध, आओ मिलकर लड़ें निर्णायक युद्ध

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com